an>

Title: h Need to check the illegal sand mining in Betwa river in Jalaun Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) ः मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन गरौठा भोगनीपुर में बेतवा नदी पर अवैध बालू खनन पर उच्च न्यायालय तथा एन.जी.टी. ने रोक लगा रखी है। इसके बावजूद अवैध खनन जारी है। जून 2015 को उच्च न्यायालय तथा एन.जी.टी. ने पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए झांसी, जालौन और हमीरपुर के समतल क्षेत्रों में बहने वाली बेतवा नदी में बालू खनन पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद जनपद जालौन के मुख्यालय से 20-25 किलोमीटर दूर वंधौली, गुढ़ा, सिमिरिया, मुठाना आदि ऐसे गांव हैं, जहां मोरंग खनन हज़ारों ट्रक ओवर लोडेड ट्रकों द्वारा रोज़ाना किया जा रहा है, जिससे राजस्व की भारी क्षति हो रही है क्योंकि इस अवैध खनन का पूरा पैसा भ्रष्टाचार में लिप्त खनन माफियाओं और इसमें लिप्त अधिकारियों की जेब में जा रहा है।

बालू से लदे ट्रक ओवर लोडेड होते हैं, जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसके कारण इस मार्ग पर आये दिन दुर्घटनाएंÃ¬ हो रही हैं। पर्यावरणविदों का भी यह मानना है कि यदि खनन की यही गति रही तो बेतवा नदी का अस्तित्व निश्चित रूप से खतरे में पड़ जायेगा और बालू खनन से इन नदियों के पास रह रहे ग्रामीणों को दमा जैसी बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है। पर्यावरण के इस दोहन के कारण ही नदी के आसपास के क्षेत्रों में गर्मियों में जल स्तर न्यूनतम हो जाएगा जिससे क्षेत्रवासियों को निकट भविष्य में पेयजल और सिंचाई की समस्या से सामना करना पड़ेगा। अगर ऐसा होता रहा तो निश्चित रूप से अवैध खनन की इस हानि की निकट भविष्य मे भरपाई करना असंभव हो जाएगा।

अतः मेरी केंद्र सरकार से मांग है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में एक केंद्रीय टीम भेजकर जांच करायी जाए और इन पूरे बालू घाटों की सेटेलाइट द्वारा निगरानी की जाये और अवैध खनन और ट्रकों की ओवरलोडिंग बंद करायी जाये ताकि पर्यावरण की रक्षा और राष्ट्रीय राजमार्ग को बचाया जा सके।